भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 957

25 जुलाई, 2022 को उत्तर के लिए

विशाखापट्टणम इस्पात संयंत्र का विनिवेश

957. श्री कनकमेदला रवींद्र कुमार:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने इस बात पर गौर किया है कि चालू वित्तीय वर्ष 2021-23 के दौरान राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल/वीएसपी) ने लाभ दर्ज किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार अब भी आरआईएनएल/वीएसपी का निजीकरण करने पर विचार कर रही है;

(घ) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार ने विशाखापट्टणम इस्पात संयंत्र (वीएसपी) को आबद्ध खदान आवंटित करने के लिए कोई पहल की है;

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) यदि नहीं, इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) और (ख): जी, हाँ। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल/वीएसपी) ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 913.19 करोड़ रुपये (अनंतिम) का शुद्ध लाभ (कर-पश्चात् लाभ) दर्ज किया है।

(ग) और (घ): आरआईएनएल (वीएसपी) के विनिवेश का निर्णय गैर-रणनीतिक क्षेत्र की इकाइयों के विनिवेश के लिए सरकार की नई सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (पीएसई) नीति, 2021 के अनुसार लिया गया है। इस्पात विनिर्माण का कार्य गैर-रणनीतिक क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

(ङ) से (छ): आरआईएनएल ने एमएमडीआर अधिनियम, 2015 की धारा 17(क) (2क) के अंतर्गत लौह अयस्क भंडारों के आरक्षण के लिए खान मंत्रालय, भारत सरकार से सिफारिश करने हेतु ओडिशा, छत्तीसगढ़ तथा आंध्र प्रदेश की राज्य सरकारों से अनुरोध किया है। इस्पात मंत्रालय ने भी आरआईएनएल के पक्ष में एक लौह अयस्क ब्लॉक के आरक्षण हेतु ओडिशा सरकार से अनुरोध किया है।

****